



**Celebrating 79th birth anniversary of God Father
SHIVA**

Awake! Awake! Oh son of Bharat, God Father Shiva has **arrived** in this holy land at the end of the *old* and beginning of the *new* world.

The lovely **incorporeal God Father Shiva** whose form is **ever effulgent point of light** has incarnated in **1936** in this holy land of Bharat in the corporeal medium of **Prajapita Brahma**

- To *create golden aged* Bharat (**Satyuga or Ram rajya**) through the **true Gita Knowledge**.
- To *purify* all human souls including 5 elements of nature.
- To *guide for return journey* to the original abode (**Soul world or Mukti dham**)

Shivratri is celebrated every year in the remembrance of his **divine incarnation** and **divine task** of salvaging distressed and impure souls from the clutches of ignorance & five vices and imparting **Mukti** (*liberation*) and **Jeevan Mukti** (*liberation in life*).

The task of re-establishing **new world order** is through **Prajapita Brahma Kumaris Godly World University** under guidance of **Supreme soul Shiva**. This godly university has its branches across the world in *147 countries* with more than *9000 centres*. This imperishable **Rudra Gita Gyan Yagna** is now in its *final phase* of completion.

Hence **recognize** your incorporeal God father and **inherit** your God fatherly birthright of *peace and happiness* in the new heavenly world **arriving soon** and **co-operate** in the creation of Golden **Bharat** by sacrificing **5 vices** that has made us slaves, snatched our peace and happiness and converted heaven into hell.

TIME IS VERY SHORT, NOW OR NEVER

Contact your nearest centres for **True peace of Mind** and learning **Easy Rajyoga Meditation**

Web sites :www.bkwsu.com;www.brahmakumaris.com; www.bkmedia.net; www.learnmeditationonline.org;www.omshantimusic.in;<http://awakening.in> ;
<http://peaceofmindtv.com>; TV Channels:Peace of Mind channel, 24 hrs Aastha channel: 7.10 – 7.40 PM 3) Sanskar TV: 10.0 – 10.30 PM 4) E.TV : 5.00 – 5.30 AM
International Head Quarters: Mount Abu, Rajasthan.



परमपिता शिव परमात्मा शिव की ७९ वी त्रिमूर्ति शिव जयन्ती की हार्दिक बधाई ।

जागो जागो हे भारत की सन्तान, भारत की पावन भूमि पर आये शिव भगवान ।

सर्व आत्माओ के प्यारे परमपिता शिव परमात्मा जिनका रूप निराकार ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप है, इस धरा पर १९३६ में साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा के तन में अवतरित हो चुके हैं ।

- सच्चा गीता ज्ञान द्वारा सतयुगी स्वर्णिम भारत (राम राज्य) का निर्माण करने ।
- प्रकृति के पाँच तत्वों सहित सभी मनुष्य आत्माओं को पावन बनाने ।
- अपने असली घर परमधाम वा मुक्तिधाम वापस ले जाने ।

शिवरात्रि का त्योहार भारत में हर वर्ष परमात्मा के इस दिव्य अवरतण वा दिव्य कर्तव्य के यादगार रूप में मनाया जाता है । जब वे इस धरा पर परमधाम से आकर परेशान, दुःखी आत्माओं को अज्ञान अंधकार व पाँच विकारों के चंगुल से छुड़ाकर मुक्ति वा जीवनमुक्ति का ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार देते हैं ।

नवयुग स्थापना का यह अति शुभ श्रेष्ठ कार्य परमपिता परमात्मा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माध्यम से करा रहे हैं जिसकी सारे विश्व में १४७ देशों में ९००० से भी अधिक सेवाकेंद्र की शाखायें हैं । यह अविनाशी रूद्र गीता ज्ञान यज्ञ अब अपने अंतिम चरण पर है ।

अतः आप अपने निराकार परमपिता को पहचानकर उनसे निकट भविष्य में आने वाली स्वर्गीय दुनिया में सुख शान्ति का ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार प्राप्त करें व स्वर्णिम युग की स्थापना में पाँच विकारों की आहुति देकर परमात्म कार्य में सहयोगी बने । जिसने सभी आत्माओं को अपना गुलाम बनाकर सुख शान्ति से वंचित कर दिया है और सारे संसार को रावण राज्य रूपी नर्क में तबदील कर दिया है ।

समय बहुत कम है अभी नहीं तो कभी नहीं ।

सच्चे मन की शान्ति और सहज राजयोग के लिए अपने निजी सेवाकेंद्रों पर संपर्क करें